आयरलैंड ने छोड़ा मैदान, भारत का शानदार आगाज

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिप : अर्जुन-अमसाकरुणन राउंड ऑफ 32 में

नई दिल्ली, 17 अगस्त. भारत ने घरेलू सरजमीं पर हो रही बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में अच्छी शुरुआत की है. सोमवार को आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स के अपने शुरुआती राउंड के मैच से हटने के बाद भारत के एम आर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुणन मेंस डबल्स के राउंड ऑफ 32 में पहुंच गए हैं.

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुए इस मैच में ज्यादातर समय भारतीय जोड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीता. उन्होंने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी और 6-4 की बढ़त बना ली, लेकिन चोट के कारण आयरिश जोड़ी आगे नहीं खेल पाई. एक कड़े मुकाबले के तौर पर शुरू हुआ यह मैच जल्दी खत्म हो गया. गिल्डिया और रेनॉल्ड्स ने पहले गेम में भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अर्जुन और अमसाकरुणन ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखा और बढ़त बनाने के लिए मिले मौकों का सही इस्तेमाल किया. दूसरे गेम में खेल ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाया. आयरिश जोड़ी को लगी चोट के कारण मैच रोकना पड़ा, जिससे भारत को चैंपियनशिप में अपनी पहली जीत मिली. अर्जुन और अमसाकरुणन के लिए यह नतीजा भारत के उस अभियान की सकारात्मक शुरुआत भी है, जो 2009 के बाद पहली बार देश में आयोजित हो रही वर्ल्ड चैंपियनशिप में हो रहा है.

भारत में 17 साल बाद लोटी चैंपियनशिप

नई दिल्ली. बैडमिंटन की दुनिया के सबसे बड़े मुकाबलों का मंच तैयार है. नई दिल्ली में आज से बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप की शुरुआत हो रही है. भारत 17 साल बाद इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है. प्रतियोगिता के सभी मुकाबले राजधानी के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे. सात दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट का समापन 23 अगस्त को होगा. भारतीय खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता खास महत्व रखती है, क्योंकि उन्हें घरेलू दर्शकों के सामने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा. स्टार महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु के पास इस बार विश्व चैंपियनशिप में अपना छठा पदक जीतने का सुनहरा अवसर है. सिंधु इस प्रतियोगिता में पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं और भारतीय बैडमिंटन की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं. पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी पदक की बड़ी दावेदार मानी जा रही है. दोनों खिलाड़ी लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे.

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने जीता पुरुष हंड्रेड खिताब

लंदन, 17 अगस्त. नूर अहमद (तीन विकेट) और सोनी बेकर (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद टिम सीफर्ट (72) रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर अपना पहला 'पुरुष हंड्रेड' का खिताब जीता. मशहूर लॉर्ड्स मैदान पर एमएसजी ने टॉस जीतकर रॉकेट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया.

फिन एलन और बेन डकेट ने गस एटकिंसन, जॉश टंग और सोनी बेकर की तेज गेंदबाजों की तिकड़ी के खिलाफ 48 रनों की ठोस ओपनिंग साझेदारी की. इसके बाद जोस बटलर ने अफगानिस्तान के रिस्ट-स्पिनर नूर अहमद को गेंदबाजी पर लगाया, जिन्होंने चार गेंदों के भीतर दोनों ओपनर्स को आउट करके मैच का रुख बदल दिया. एन्यूरिन डोनाल्ड ने तुरंत पलटवार किया और अहमद की पहली छह गेंदों पर 17 रन जड़े, लेकिन अंत में 19 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हो गए.

97 रन के स्कोर पर पांच विकेट गवांने पर अचानक लड़खड़ाने से रॉकेट्स मुश्किल में पड़ गए, लेकिन लुईस ग्रेगरी और मिशेल सेंटनर ने आखिरी ओवरों में टीम को संभाला. ग्रेगरी ने लियाम डॉसन और एटकिंसन के खिलाफ लगातार छक्के जड़े और आखिरी 30 गेंदों में 61 रनों की तूफानी पारी खेलकर ट्रेंट को 158-8 के स्कोर तक पहुंचाया.

> यह स्कोर इस सीजन में इस मैदान के औसत स्कोर (141 रन) से काफी ज्यादा था. एमएसजी ने तेज शुरुआत की और सीफर्ट ने मोहम्मद आमिर की शुरुआती पांच गेंदों पर 14 रन बनाए. पॉल वाल्टर के साथ मिलकर सीफर्ट ने सिर्फ 31 गेंदों में 61 रनों की साझेदारी की. उन्होंने सिर्फ 23 गेंदों में अपनी हाफ-सेंचुरी पूरी की और अंत में 38 गेंदों में 72 रन बनाए (जिसमें सात छक्के शामिल थे). इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा रन (394) बनाकर 'टूर्नामेंट सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का खिताब हासिल किया. जब न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ने एक छोर संभाले रखा.

फॉलोऑन की भंवर से दिनुशा ने निकाली टीम

गॉल में श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया मजबूत

नई दिल्ली, 17 अगस्त. गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट मैच का तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय टीम के नाम रहा.

भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका की पहली पारी को 284 रनों पर रोक दिया और टीम इंडिया को 178 रनों की मजबूत बढ़त दिला दी. हालांकि, श्रीलंका के सोनल दिनुशा और निरोशन डिकवेला ने मुश्किल समय में धैर्य दिखाते हुए मेजबान टीम की पारी को संभाल लिया. तीसरे दिन श्रीलंका ने भारत के 462 रनों के जवाब में अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन शुरुआती सत्र में भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा. श्रीलंका ने पहले सत्र में पांच विकेट गंवा दिए और उसकी स्थिति बेहद खराब हो गई थी. सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. इसके बाद दिनेश चांदीमल, लाहिरु उदारा, कामिंदु मेंडिस और कप्तान धनंजय डिसिल्वा भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे.

डिकवेला ने बनाए 80 रन

मुश्किल हालात में बल्लेबाजी करने उतरे सोनल दिनुशा और निरोशन डिकवेला ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 146 रनों की शानदार साझेदारी की. दिनुशा ने 168 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके और दो छक्कों की मदद से 100 रन बनाए. यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा. वहीं डिकवेला ने 115 गेंदों में सात चौकों की मदद से 80 रन बनाए. भारत की ओर से मानव सुथार सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने चार विकेट लेकर श्रीलंका के मध्यक्रम और निचले क्रम को परेशान किया. रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट चटकाए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने भी अहम विकेट हासिल किए.

बदलाव : जो रूट संभालेंगे टेस्ट टीम की कप्तानी

लंदन. इंग्लैंड क्रिकेट टीम में टेस्ट कप्तानी को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है बेन स्टोक्स के हटने और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के जाने के बाद इंग्लैंड नए दौर में प्रवेश कर रहा है इसी बीच सफेद गेंद प्रारूप के कप्तान हैरी ब्रूक ने जो रूट को टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने के फैसले का समर्थन किया है.

ब्रूक ने कहा कि जो रूट इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए पूरी तरह योग्य हैं और वह उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं उन्होंने कहा कि वह रूट का पूरा समर्थन करेंगे और टीम को आगे बढ़ाने में हर संभव मदद करेंगे. इंग्लैंड की टीम 19 अगस्त से पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी इस सीरीज में जो रूट एक बार फिर टेस्ट कप्तान की भूमिका में नजर आ सकते हैं रूट इससे पहले भी लंबे समय तक इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं और उनके नेतृत्व में टीम ने कई यादगार जीत हासिल की हैं.

एक नजर में

विश्व चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी का धमाका

नई दिल्ली. नई दिल्ली में आयोजित विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर कर तहलका मचा दिया. आयुष ने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यू की को हराकर प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की. घरेलू दर्शकों के सामने हासिल की गई यह जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए भी बेहद उत्साहजनक मानी जा रही है. मुकाबले की शुरुआत से ही आयुष ने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी के सामने किसी तरह का दबाव नहीं दिखाया. उन्होंने आक्रामक खेल के साथ अपनी रफ्तार और रणनीति पर नियंत्रण बनाए रखा. दूसरी ओर शी यू की जैसे अनुभवी खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखना भारतीय खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी. आयुष ने धैर्य और आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती का सामना किया. विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को हराना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है. आयुष की जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्व चैंपियनशिप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं और यहां एक छोटी सी गलती भी मुकाबले का रुख बदल सकती है. ऐसे में आयुष ने महत्वपूर्ण मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता का परिचय दिया. भारतीय बैडमिंटन में पिछले कुछ वर्षों में युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार चर्चा में रहा है. आयुष शेट्टी भी इसी नई पीढ़ी का हिस्सा हैं, जिनसे भविष्य में बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है. विश्व चैंपियनशिप के पहले ही दौर में शीर्ष खिलाड़ी को हराकर उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए मजबूत संदेश दिया है.

केएल राहुल ने बताया सफलता का राज

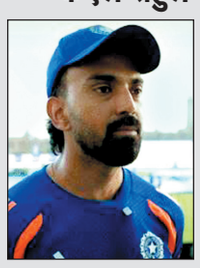

नई दिल्ली. श्रीलंका दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान केएल राहुल ने अपनी तैयारी, मानसिकता और खेल को लेकर अहम बातें साझा की हैं राहुल का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लंबे समय तक खेलने के बाद अनुभव सबसे बड़ी ताकत बन जाता है ऐसे में खिलाड़ी को अपने अनुभव का सही इस्तेमाल करते हुए मिलने वाले मौकों को पूरी तरह भुनाने पर ध्यान देना चाहिए. भारतीय क्रिकेट बोर्ड के विशेष साक्षात्कार कार्यक्रम 'टर्निंग अप विद केएल राहुल' में राहुल ने बताया कि बड़े दौरों और महत्वपूर्ण मुकाबलों से पहले सही तैयारी और मजबूत मानसिकता बेहद जरूरी होती है उनके अनुसार, खिलाड़ी को अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए और मैदान पर उतरने से पहले अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझना चाहिए राहुल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर दिन नई चुनौती लेकर आता है कभी पिच की परिस्थितियां बदलती हैं तो कभी मैच की स्थिति के अनुसार रणनीति बनानी पड़ती है ऐसे में खिलाड़ी का अनुभव उसे बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच में केएल राहुल ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभाव छोड़ा पहली पारी में उन्होंने 82 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली.

आयरलैंड वनडे सीरीज में चार्ली डीन करेंगी इंग्लैंड की कप्तानी

लंदन, 17 अगस्त. चार्ली डीन सितंबर में आयरलैंड के खिलाफ़ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगी. इस ऑलराउंडर को टीम की अगुवाई करने का एक और मौका मिला है. डीन ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ के दौरान भी कप्तानी संभाली थी, जब चोट के कारण नैट साइवर-ब्रंट उपलब्ध नहीं थीं; अब वह आयरलैंड दौरे पर टीम की कमान संभालेंगी.

इंग्लैंड ने इस सीरीज़ के लिए कई जाने-माने खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं किया है. साइवर-ब्रंट और डैनी वायट-हॉज अपनी फ़िटनेस और रिकवरी पर ध्यान दे रही हैं, जबकि सोफ़ी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और एमी जोन्स को नहीं चुना गया है. इन खिलाड़ियों के न होने से कई अन्य खिलाड़ियों को वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिलेगा.

अंडर-19 महिला टी20 में अमेरिका की हैट्रिक

अमेरिका की युवा टीम ने किया कमाल, लगातार तीसरी बार क्वालीफाई

नई दिल्ली, 17 अगस्त. अमेरिका ने 2026 अमेरिका क्षेत्रीय क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी बार आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

चेत्तना पगिड्याला की कप्तानी वाली अमेरिकी टीम ने प्रतियोगिता के अपने सभी छह मुकाबले जीते और दूसरे स्थान पर रही कनाडा की टीम से छह अंक आगे रहते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया. अमेरिका ने वेस्ट बे के जिमी पॉवेल ओवल में पहले दिन कनाडा को आठ विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. अमेरिकी गेंदबाज महक देसाई और सान्वी इम्मादी ने तीन-तीन विकेट लेकर कनाडा को 65/7 के स्कोर पर रोक दिया. इसके बाद अमेरिकी बल्लेबाजों ने 11 ओवर के अंदर लक्ष्य हासिल कर लिया.

> अमेरिकी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा. उसने कनाडा के खिलाफ फाइनल दिन भी जीत दर्ज की, जबकि अर्जेंटीना और क्षेत्रीय संयुक्त टीम नेक्स्टजेन-ङ्गङ्घ को भी दोनों मुकाबलों में हराया. हरफनमौला खिलाड़ी महक देसाई टूर्नामेंट की सबसे सफल खिलाड़ी रहीं. उन्होंने कुल 16 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट हासिल किए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता. इस क्षेत्रीय जीत के साथ अमेरिका क्वालीफाई करने वाली टीमों में शामिल हो गया है.

सुथार-जडेजा ने श्रीलंका को 284 रन पर समेटा

178 रन की भारत को बढ़त

नई दिल्ली, 17 अगस्त. मानव सुथार (चार विकेट) और रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सोमवार को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन श्रीलंका की पूरी टीम को 284 रन के स्कोर पर समेट कर 178 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली.

हालांकि सोनल दिनुशा (100) और निरोशन डिकवेला (80) की शानदार पारियों के दम पर श्रीलंका ने फालोऑन बचा लिया. श्रीलंका की पारी समाप्त होने के बाद बारिश आखिरकार आ गई... अंपायर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने की घोषणा कर दी है यानी तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारत के पास 178 रनों की बड़ी बढ़त है, अभी दो दिनों का खेल बचा है लेकिन रोशनी कब तक इजाज़त देती है वह अहम है. भारत की नज़र दूसरी पारी में कम से कम 250 रन बनाने पर ज़रूर होगी ताकि श्रीलंका के सामने चौथी पारी में 400 से ज़्यादा का लक्ष्य दिया जाए.

> चायकाल के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने निरोशन डिकवेला को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई. निरोशन डिकवेला ने 115 गेंदों में सात चौकों की मदद से (80) रन बनाये. इसके थोड़ी देर बाद रवींद्र जडेजा ने केशरा नुवंता (दो) का शिकार कर लिया. प्रभात जयसूर्या (10) को मानव सुथार ने आउट किया. 79वें ओवर की पहली गेंद पर जडेजा ने अपना शतक पूरा कर चुके सोनल दिनुशा को पगबाधा आउट कर श्रीलंका को बड़ा झटका दिया. सोनल दिनुशा ने 168 गेंदों में चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए (100) रन बनाये.

72 वर्षीय रविंद्र ने फतह किया 5,642 मीटर ऊंचा एल्ब्रुस

नयी दिल्ली, 17 अगस्त. जिस उम्र में ज्यादातर लोग अपनी रफ्तार धीमी कर देते हैं, उस उम्र में विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश के लिंगम रविंद्र राव लगातार अपनी शारीरिक सीमाओं को चुनौती दे रहे हैं. 72 वर्ष, एक महीने और 13 दिन की उम्र में उन्होंने 14 अगस्त को 5,642 मीटर ऊंचे माउंट एल्ब्रुस के वेस्ट पीक पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की. उनकी यह उपलब्धि बताती है कि उम्र किसी के जुनून और हौसले की सीमा तय नहीं करती.

रविंद्र राव माउंट एल्ब्रुस पर चढ़ने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय हैं. उनकी उपलब्धि सिर्फ पर्वत की ऊंचाई की वजह से खास नहीं है, बल्कि 72 वर्ष की उम्र में इतनी चुनौतीपूर्ण चढ़ाई पूरी करना इसे और असाधारण बनाता है. हालांकि, रविंद्र राव का माउंट एल्ब्रुस तक पहुंचने का सफर उनके 70वें दशक में शुरू नहीं हुआ. शारीरिक गतिविधियों और फिटनेस के प्रति उनका जुनून छात्र जीवन से ही रहा है. 1972 में 18 साल की उम्र में, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ाई के दौरान उन्होंने दोस्तों के साथ खड़गपुर से दार्जिलिंग तक साइकिल यात्रा की थी. इस दौरान उन्होंने महज 10 दिनों में करीब 1,700 किलोमीटर की दूरी तय की.

> बाद में पेशेवर करियर और कारोबारी जिम्मेदारियां उनकी प्राथमिकता बन गईं, लेकिन उन्होंने फिटनेस से अपना जुड़ाव कभी पूरी तरह नहीं छोड़ा. वह खेलों से जुड़े रहे और सक्रिय जीवनशैली बनाए रखी. समय के साथ उन्होंने फिर एडवेंचर गतिविधियों की ओर रुख किया और पर्वतारोहण को अपनी यात्रा का हिस्सा बनाया. उनकी हालिया उपलब्धियों में 2024 में माउंट किलिमंजारो और माउंट लोबुचे पर चढ़ाई शामिल है. अब माउंट एल्ब्रुस उनकी इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया है. यह उपलब्धि उन्हें उनके अगले बड़े लक्ष्य सेवन समिट्स के और करीब ले जाती है.

हॉकी विश्व कप

भारतीय महिला हॉकी टीम को नवनीत का भरोसा

चीन को 2-2 से रोक भारत की बेहतरीन शुरुआत

नई दिल्ली, 17 अगस्त. भारतीय महिला हॉकी टीम ने विश्व कप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया है. विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर मौजूद भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता और दुनिया की चौथे नंबर की टीम चीन को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया.

मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ हासिल किए गए इस परिणाम से भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है. अब टीम मंगलवार को 18वीं रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी. भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी स्ट्राइकर नवनीत कौर को उम्मीद है कि टीम इस बार विश्व कप में बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती है. उनका कहना है कि पिछले साल भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्व कप जीतने से हॉकी खिलाड़ियों को भी काफी प्रेरणा मिली है. क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीता था. नवनीत ने कहा कि महिला क्रिकेट टीम के विश्व चैंपियन बनने के बाद देश में महिला खिलाड़ियों को पहले की तुलना में ज्यादा पहचान मिलने लगी है. यह उपलब्धि दूसरी महिला खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है. यदि क्रिकेट टीम विश्व स्तर पर इतना अच्छा प्रदर्शन कर सकती है तो हॉकी टीम भी विश्व कप जीतने का सपना पूरा कर सकती है.

> भारत के लिए 211 मैचों में 70 गोल कर चुकीं नवनीत ने कहा कि विश्व स्तर पर खेलना और खिताब जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और भारतीय हॉकी टीम भी यह उपलब्धि अपने नाम करना चाहती है. इस वर्ष एफआईएच नेशंस कप और विश्व कप क्वालीफायर में चार-चार गोल करने वाली नवनीत का मानना है कि वह अपने करियर के बेहतरीन दौर में हैं. नवनीत ने कहा कि उन्हें अपने प्रदर्शन को लेकर आत्मविश्वास है. लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलने के कारण उन्हें बड़े मुकाबलों के दबाव को संभालने का अनुभव हासिल है.